egkRek xka/kh vUrjjk"Vªh; fgUnh fo'ofo|ky;] o/kkZ ¼egkjk"Vª½
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अन्तर्गत स्थापित **केंद्रीय विश्वविद्यालय**)
Mahatama Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha
(**A Central University** Established by Parliament by Act No.3 of 1997)

दिनांक : 18.02.2019

भाषा से ही व्यक्ति की पहचान : प्रो.रामकिशोर शर्मा

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय,वर्धा के क्षेत्रीय केंद्र ,इलाहाबाद में मानव संसाधन विकास मंत्रालय ,नई दिल्ली ,भारत सरकार के पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक तथा शिक्षण अभियान (**TLCHS**) के अंतर्गत संचालित हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र द्वारा 15 से 21 फरवरी-2019 तक आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आज चौथा दिन है | आज के कार्यक्रम का विषय **हिंदी भाषा का मानकीकरण और देवनागरी की भूमिका** था | कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रसिद्द भाषा विज्ञानी तथा हिंदी विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व आचार्य एवं अध्यक्ष प्रो.रामकिशोर शर्मा थे | कार्यक्रम के आरम्भ में मुख्य वक्ता प्रो.रामकिशोर शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की गति को आगे बढ़ाया | तत्पश्चात केंद्र की प्रभारी डॉ. विधु खरे दास ,सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. प्रकाश नारायण त्रिपाठी ,डॉ. सोनू जेसवानी , डॉ.कल्पना वर्मा,डॉ.योगेश दानी,डॉ.रमेश सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण किया | स्वस्तिवाचन के छात्र श्री अरुण त्रिपाठी ने किया | उसके बाद मुख्य वक्ता को केंद्र की प्रभारी डॉ. विधु खरे दास ने अंगवस्त्रम ,सूत की माला , पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया | **हिंदी भाषा का मानकीकरण और देवनागरी की भूमिका** विषय पर प्रो.रामकिशोर शर्मा ने कहा कि- भाषा ही व्यक्ति की पहचान कराती है | प्रत्येक व्यक्ति को समाज में उसकी अपनी भषा के कारण ही जाना जाता है | यही कारण है कि सभी को भाषा का सृजन स्वयं करना होता है | भाषा को लेकर डॉ. शर्मा ने भारत सरकार के सार्थक प्रयासों की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि सरकार भाषा के विभिन्न आयामों के गंभीर है | उन्होंने युवाओं को विभिन्न प्रादेशिक भाषाओँ में रोजगार के अवसरों से भी परिचित कराया | भाषा हमें संस्कारवान बनाती है ,जीवन देती है |

कार्यक्रम में प्रतिभागी के रूप में आये देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों / महाविद्यालयों से आये अध्यापक एवं शोध-छात्र तथा इलाहाबाद केंद्र के शिक्षक / कर्मी एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे | यह कार्यक्रम माननीय कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र की प्रेरणा से संचालित किया जा रहा है | उपस्थित लोगों में- डॉ. योगेश दानी ,डॉ. रमेश सिंह ,डॉ. रामपाल गंगवार ,डॉ.कल्पना वर्मा ,डॉ. जेसवानी ,सुन्दरम शांडिल्य आदि | ध्यातव्य है कि केंद्र की प्रभारी डॉ. विधु खरे दास कार्यक्रम की संयोजक हैं तथा सह संयोजक डॉ. प्रकाश त्रिपाठी हैं | कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ.कमलेश यादव ने किया | कार्यक्रम केंद्र के सत्यप्रकाश मिश्र सभागार के भरतमुनि प्रेक्षागृह में सम्पन्न हुआ |

{k=h; dk;kZy;
24/28–सरोजनी नायडू मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद–211001, उ.प्र . भारत
फोन एवं फैक्स : 0532–2424442, मो. 09415763046 ईमेल: **ard.mgahv@gmail.com** वेबसाइट : **hindivishwa.org**

हिंदी भाषा का मानकीकरण और देवनागरी की भूमिका

मंच पर विराजमान मुख्य वक्ता प्रो. रामकिशोर शर्मा ,प्रभारी , डॉ.विधु खरे दास ,स.निदेशक डॉ.प्रकाश त्रिपाठी तथा डॉ. कमलेश यादव

egkRek xka/kh vUrjjk"Vªh; fgUnh fo'ofo|ky;] o/kkZ ¼egkjk"Vª½
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अन्तर्गत स्थापित **केंद्रीय विश्वविद्यालय**)
Mahatama Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha
(**A Central University** Established by Parliament by Act No.3 of 1997)

'हिंदी भाषा का मानकीकरण और देवनागरी की भूमिका'

डॉ. रामकिशोर शर्मा

देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों / महाविद्यालयों से आये अध्यापक एवं शोध-छात्र तथा इलाहाबाद केंद्र के शिक्षक / कर्मी एवं बड़ी संख्या में उपस्थित छात्र-छात्राओं को मुख्य वक्ता डॉ.रामकिशोर शर्मा 'हिंदी भाषा का मानकीकरण और देवनागरी की भूमिका' विषय पर वक्तव्य देते हुए |

{ks=h; dsUnz
24/28–सरोजनी नायडू मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद–211001, उ.प्र . भारत
फोन एवं फैक्स : 0532–2424442, मो. 09415763046 ईमेलः **ard.mgahv@gmail.com** वेबसाइट : **hindivishwa.org**

'हिंदी भाषा का मानकीकरण और देवनागरी की भूमिका'

इलाहाबाद केंद्र : कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागी

मुख्य वक्ता प्रो.रामकिशोर शर्मा को अंगवस्त्रम प्रदान कर सम्मानित करतीं केंद्र प्रभारी डॉ. विधु खरे दास,सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ.प्रकाश त्रिपाठी तथा अनुभाग अधिकारी श्री शम्भू दत्त सती |

कार्यक्रम का शुभारम्भ करते मुख्य वक्ता प्रो. रामकिशोर शर्मा